वार्षिक पाठ्यक्रम योजना

सत्र - 2019-20

विषय - हिंदी (साहित्य)

कक्षा - दसवीं

अप्रैल से सितंबर

दूरदर्शिता - छात्राएँ के वाचन व लेखन कला का विकास होगा। उनकी हिंदी के प्रति रूचि जागृत होगी। बालक के **व्यक्तित्व का सर्वांगीण** विकास होगा। महान कवियों व महापुरूषों के द्वारा दी गई सीख को अपने जीवन में धारण करेंगी।

पाठ का नाम	अभिनव शिक्षण शास्त्र एवं संक्रमण रणनीतियाँ	अध्ययन के परिणाम	मुख्य कौशल/कला एकीकरण/अंतर्विषयक
1. सूरदास के पद	आज पूरे विश्व में कोरोना महामारी फैली हुई है जिसके कारण सभी शिक्षण संस्थान बंद है। इसलिए ऑनलाइन कक्षा ही विकल्प है जिससे छात्राओं को शिक्षा दी जा रही है। इसलिए पीपीटी और स्क्रीन शेयर करके सूरदास के पदों का आरोह-अवरोह एवं लय के साथ भावपूर्ण ढंग से गायन किया जाएगा। पदों का कठिन निवारण एवं भावार्थ का स्पष्टीकरण कराया जाएगा। कवि की भाषा शैली उनके भाव का भी स्पष्टीकरण कराया जाएगा। छात्राओं को कृष्ण के जीवन की विभिन्न लीलाओं बाललीला, रासलीला, गोवर्धन पर्वत उठाना आदि के बारे में संक्षेप में बताएँगें और उद्धव का मथुरा से आना, अपना योग संदेश देना, गोपियों की विरह-वेदना और तीव्र हो जाना के बारे में भी बताएँगे। ऑनलाइन कक्षा कार्य, गृहकार्य संकल्पपूर्ण कराएँगी।	-छात्राएँ श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं से अवगत होगी। -छात्राएँ गोपियों के श्रीकृष्ण के प्रति अनन्य प्रेम की भावना से अवगत होगी। -छात्राएँ कविता में प्रयुक्त रस, छंद, अंलकार आदि तत्वों के महत्व से परिचित होगी। -छात्राओं का काव्य के प्रति प्रेम उत्पन्न होगा ।	-वाचन, पठन व श्रवण कौशल का विकास। -छात्राओं से श्रीकृष्ण की किसी एक लीला का मंचन भी करवाया जाएगा। -नैतिक शास्त्र
2. राम-लक्ष्मण परशुराम संवाद	ऑनलाइन कक्षा में कविता का शुद्ध एवं स्पष्ट रूप से वाचन कराया जाएगा। कविता की पीपीटी भी दिखाई जाएगी। कविता का काठिन्य निवारण एवं भावार्थ का स्पष्टीकरण किया जाएगा। शिक्षण अधिगम की प्रक्रिया में कविता के आनंद का कहीं लोप न हो जाए। इस बात का अवश्य ध्यान रखा जाएगा। श्रीराम और सीता के विवाह के समय होने वाले स्वयंवर पर जो घटना घटी उसके बारे में विस्तार से छात्राओं को बताया जाएगा। सहायक सामग्री में स्क्रीन शेयर का उपयोग किया जाएगा।	-छात्राओं में महापुरूषों के मानवीय मूल्यों को अपनाने की भावना जागृत होगी। -छात्राएँ श्रीराम और सीता की पौराणिक कथा से अवगत होगी। -अभिनय कला का विकास। -आत्मविश्वास में वृद्धि	-वाचन, पठन व श्रवण कौशल का विकास। -सभी छात्राओं से राम के जीवन के किसी एक प्रसंग का मंचन करवाया जाएगा। -नैतिक शास्त्र
3. नेताजी का चश्मा	ऑनलाइन कक्षा में छात्राओं से शुद्ध एवं पूर्ण उतार-चढ़ाव के साथ विराम चिह्नों को ध्यान में रखते हुए पाठ का वाचन करने के साथ-साथ विभिन्न युक्तियों द्वारा श्यामपट्ट पर काठिन्य निवारण किया जाएगा। दैनिक जीवन के उदाहरण देकर पाठ को अच्छे से समझाया जाएगा। सभी छात्राओं को ये समझाया जाएगा कि यदि मन में श्रद्धा और देश प्रेम की भावना हो तो देश का प्रत्येक नागरिक अपने कर्मों से देश की सेवा कर सकता है तभी देश का नवनिर्माण होता है। छात्राओं का काठिन्य निवारण कर पाठ संबंधी गृह कार्य दिया जाएगा। इस पाठ की लघु फिल्म दिखाई जाएगी।	-छात्राओं में देश भक्ति एवं राष्ट्र प्रेम की भावना प्रगाढ़ होगी। -छात्राओं में देश भक्ति एवं शहीदों के प्रति आदर की भावना बढ़ेगी। -लेखन-कौशल को बढ़ावा। -छात्राएँ मानव-जीवन के विविध पहलुओं से परिचित होंगी।	-पठन व वाचन कौशल का विकास। -सभी छात्राओं से चौराहों पर लगी मूर्तियों के उद्देश्य और कर्तव्य को निबंध के रूप में लिखवाया जाएगा। -इतिहास

4. बालगोबिन भगत	ऑनलाइन कक्षा में छात्राओं से पाठ के शुद्ध एवं स्पष्ट वाचन के साथ-साथ प्रत्येक गद्यांश का स्पष्टीकरण भी किया जाएगा। पाठ में आए मुहावरे एवं समासयुक्त पदावली का स्पष्टीकरण किया जाएगा। छात्राओं को समझाया जाएगा कि वेशभूषा या बाह्य अनुष्ठानों से कोई संन्यासी नहीं होता, सन्यास का आधार जीवन के मानवीय सरोकार होते हैं। साथ ही समाज में फैले हुए अंधविश्वास और सामाजिक रूढ़ियों के बारे में विस्तार से बताया जाएगा। छात्राओं का काठिन्य निवारण कर पाठ संबंधी गृह कार्य दिया जाएगा।	-छात्राओं में ईश्वर के प्रति सच्ची भक्ति जागृत होगी। - छात्राओं का सामाजिक रूढ़ियों के प्रति आक्रोश भाव उत्पन्न होगा। -महान कवि कबीरदास के विचारों से अवगत। -छात्राएँ ग्रामीण सभ्यता एवं संस्कृति से अवगत होगी।	-वाचन, पठन व श्रवण कौशल का विकास। -छात्राओं से ग्रामीण जीवन के रहन-सहन पर वार्तालाप करवाया जाएगा। -नैतिक शास्त्र
5. लखनवी अंदाज़	ऑनलाइन कक्षा में छात्राओं से पाठ के शुद्ध एवं स्पष्ट वाचन के साथ-साथ प्रत्येक गद्यांश का स्पष्टीकरण भी किया जाएगा। पाठ में समाहित कठिन अंश का प्रश्नोत्तर द्वारा विश्लेषण किया जाएगा। और प्रश्नोत्तर में छात्राओं की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। छात्राओं को समझाया जाएगा कि कुछ लोग वास्तविकता से बेखबर एक बनावटी जीवन शैली जीने के आदी होते हैं वे स्वयं को जनसामान्य से श्रेष्ठ प्रदर्शित करना चाहते हैं उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए क्योकि ऐसे लोगों का पतन ही होता है। छात्राओं की पाठ से संबंधी मौखिक व लिखित परीक्षा ली जाएगीं।	-छात्राओं का यात्रा संबंधी ज्ञान में बढ़ोतरी -छात्राओं में दिखावे एवं आडंबर पूर्ण जीवन जीने की बजाय सादा जीवन जीने का सकारात्मक प्रभाव। -स्वतंत्र अभिव्यक्ति कौशल में वृद्धि -प्रत्येक गद्यांश का रसास्वादन और अर्थ ग्रहण की क्षमता का विकास।	-पठन व वाचन कौशल का विकास। -सभी छात्राओं से उनकी प्रथम रेल यात्रा पर वार्तालाप करवाया जाएगा। -इतिहास / सामान्य ज्ञान
पाठ का नाम	**अभिनव शिक्षण शास्त्र एवं संक्रमण रणनीतियाँ**	**अध्ययन के परिणाम**	**मुख्य कौशल/कला एकीकरण/अंतर्विषयक**
6. माता का आँचल	ऑनलाइन कक्षा में छात्राओं की पूर्वज्ञान परीक्षा लेने के लिए उससे माँ के आँचल के बारे में पूछेंगे। छात्राओं से संतोषजनक उत्तर पाकर अपने उद्देश्य की घोषणा करेंगे और पाठ का वाचन छात्राओं द्वारा करवाया जाएगा। विषयवस्तु में प्रयुक्त भाषिक तत्व मुहावरे, सूक्तियाँ आदि का स्पष्टीकरण किया जाएगा। शिक्षण अधिगम की इस प्रक्रिया में पाठ के आनंद का कहीं लोप न हो जाए उसका ख्याल अवश्य रखा जाएगा। छात्राओं को शहर की चकाचौंध से दूर गाँव की सहजता एवं सरलता के बारे में विस्तार से बताया जाएगा। छात्राओं को माँ के स्नेहमयी छवि के बारे में बताया जाएगा।	-छात्राएं शहरों की अपेक्षा गाँवों की सहजता से प्रभावित होंगी। -छात्राएं माता की स्नेहमयी छवि और पिता की सुरक्षा की छत्रछाया से प्रभावित होंगी। -तार्किक क्षमता से वृद्धि।	-वाचन, पठन व श्रवण कौशल का विकास। -आज की शिक्षा बचपन को निगल रही है- इस विषय पर छात्राओं से विचार-विमर्श करवाया जाएगा। -बाल मनोविज्ञान
7. जॉर्ज पंचम की नाक	ऑनलाइन कक्षा में छात्राओं की पूर्वज्ञान परीक्षा लेने के लिए जॉर्ज पंचम के बारे में पूछेंगे। छात्राओं से उत्तर पाकर उत्तर पाकर स्वयं संतोषजनक उत्तर देंगे। छात्राओं से पाठ के वाचन के साथ-साथ प्रत्येक गद्यांश का स्पष्टीकरण भी किया जाएगा। छात्राओं को बताया जाएगा कि समाज में नाक इज्जत का प्रतीक मानी जाती हैं परन्तु आज भी हम विदेशी आकर्षण के कारण और अपने शान-शौकत के कारण अपनी मान-मर्यादा को भूल जाते हैं और कुछ लोगों के तलवे चाट कर अपना जीवन चलाते हैं।	-अंग्रेजों के किए गए अत्याचारों से अवगत होना। -सरकारी तंत्र की अयोग्यता, अदूरदर्शिता मूर्खता से अवगत होना। -इतिहास के प्रति रूचि उत्पन्न होना।	-वाचन, पठन व श्रवण कौशल का विकास। -छात्राओं से कक्षा में विदेश में रहने का आकर्षण पर वाद-विवाद करवाएंगी। -इतिहास
हिंदी व्याकरण	**अभिनव शिक्षण शास्त्र एवं संक्रमण रणनीतियाँ**	**अध्ययन के परिणाम**	**मुख्य कौशल/कला एकीकरण/अंतर्विषयक**

-वाक्य भेद- रचना के आधार पर -वाच्य तथा वाच्य परिवर्तन	ऑनलाइन कक्षा में सभी विषयों का स्पष्टीकरण करना। सभी विषयों की पीपीटी भी दिखाई जाएगी। दैनिक वस्तुओं का उदाहरण देकर विषय का पुष्टिकरण करना। श्यामपट्ट पर प्रस्तुत विषय संबंधी नियमों को समझाया जाएगा। सहायक सामग्री में स्क्रीन शेयर का उपयोग किया जाएगा। छात्राओं का विषय से संबंधी काठिन्य निवारण किया जाएगा।	-छात्राएँ भाषा के शुद्ध रूप को समझने, लिखने, बोलने एवं पढ़ने के लिए प्रेरित होगी। -वाक्य रचना के नियमो की जानकारी। -व्याकरण-नियमों की जानकारी होना।	-वाचन, पठन व श्रवण कौशल का विकास। -वाच्य के लिए सभी से किसी कहानी में से कर्मवाच्य, भाववाच्य के वाक्य छाटने के लिए कहेगें । फिर कर्मवाच्य के वाक्यों को भाववाच्य में बदलने के लिए कहेगें। -अंग्रेजी व्याकरण
हिंदी व्याकरण (लेखन)	**अभिनव शिक्षण शास्त्र एवं संक्रमण रणनीतियाँ**	**अध्ययन के परिणाम**	**मुख्य कौशल/कला एकीकरण/अंतर्विषयक**
-पत्र **-विज्ञापन-लेखन**	छात्राओं को लेखन कला में दक्ष बनाना। इसके लिए सरल व स्पष्ट भाषा का प्रयोग छात्राओं द्वारा करवाना। शब्द सीमा का भी ध्यान रखवाया। विषय के प्रस्तुतीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया। भाषागत शुद्धता के प्रति भी ध्यान आकर्षित करवाना। सहायक सामग्री में पीपीटी का उपयोग किया जाएगा। छात्राओं का विषय से संबंधी काठिन्य निवारण किया जाएगा।	-स्वतंत्र अभिव्यक्ति का विकास। -सृजनात्मकता एवं तार्किकता का विकास। -अपने भावों को सोदाहरण समझाने की प्रवृति का विकास। -हिंदी भाषा के प्रति रूचि।	-वाचन, पठन व लेखन कौशल का विकास। -पत्र लेखन के लिए छात्राओं को अपने किसी संबंधी को वास्तव में पत्र लिखकर भेजने को कहा जाएगा। -अंग्रेजी व्याकरण

अक्टूबर से मार्च

पाठ का नाम	अभिनव शिक्षण शास्त्र एवं संक्रमण रणनीतियाँ	अध्ययन के परिणाम	मुख्य कौशल/कला एकीकरण/अंतर्विषयक
8. उत्साह, अट नहीं रही है।	कविता को आरोह-अवरोह एवं लय के साथ पढ़ाया जाएगा। कविता में निहित भाव सौंदर्य एवं शब्द सौंदर्य का विश्लेषण करवाया जाएगा। कवि की भाषा शैली, अंतर्निहित भाव एवं विचारों का स्पष्टीकरण करवाया जाएगा। छात्राओं को वर्षा ऋतु और प्रकृति की सुंदरता क बारे में विस्तार से बताया जाएगा। कवि की कल्पना शक्ति के बारे में बताया जाएगा। स्मार्ट बोर्ड का भी प्रयोग किया जाएगा।	-छात्राओं में उत्साह, जोश की भावना उत्पन्न होगी। -छात्राओं में अपने जीवन में नवीनता लाने, परिवर्तन लाने की भावना जागृत होगी -फागुन महीने के प्राकृतिक सौंदर्य के सकारात्मक प्रभाव। -छात्राओं में शुद्ध, स्पष्ट रूप से कविता पाठ करने की योग्यता का विकास होगा।	-वाचन, पठन व श्रवण कौशल का विकास। -छात्राओं से ऋतुओं के महत्व पर वार्तालाप कराया जाएगा। -पर्यावरण अध्ययन
पाठ का नाम	**अभिनव शिक्षण शास्त्र एवं संक्रमण रणनीतियाँ**	**अध्ययन के परिणाम**	**मुख्य कौशल/कला एकीकरण/अंतर्विषयक**
9. यह दंतुरित मुसकान, फसल	कविता का भावपूर्ण ढंग से वाचन करवाया जाएगा। कविता के प्रत्येक पद्यांश का स्पष्टीकरण किया जाएगा। प्रश्नोत्तर द्वारा छात्राओं की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। बच्चे की निश्छल मुसकान और खेतों में लहलहाती फसलों में किन-किन तत्वों की आवश्यकता होती- इन सब विषयों पर छात्राओं से विस्तार से विचार-विमर्श किया जाएगा।	-छात्राओं में किसानों के समान ही परिश्रम का भाव उत्पन्न होगा। -छात्राओं में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता का भाव उत्पन्न होगा। -छात्राएँ भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति से अवगत होगी। -छात्राओं में काव्य के प्रति प्रेम जागृत होगा।	-वाचन, पठन व श्रवण कौशल का विकास। -सभी छात्राओं से जल से संबंधित नारे लिखवाएं जाएंगें। -बाल मनोविज्ञान/पर्यावरण अध्ययन
10. कन्यादान	छात्राओं से शुद्ध एवं स्पष्ट ढंग से वाचन करवाया जाएगा। **अध्यापिका** विभिन्न युक्तियों द्वारा श्यामपट्ट पर काठिन्य निवारण करेंगी। रूचि बढ़ाने वाले प्रश्न पूछे जाएंगे। छात्राओं को माँ और बेटी के पवित्र रिश्ते के बारे में विस्तार से बताया जाएगा कि माँ अपनी बेटी को अपनी पूँजी समझती हैं और उसके विवाह के समय वह उसे बहुत सीख देती हैं जिसे बेटी जीवन भर संभाल कर रखती हैं। स्मार्ट बोर्ड का प्रयोग भी किया जाएगा।	-छात्राएँ अपनी माँ के महत्त्व से अवगत होंगी। -छात्राओं पर माँ के दिए हुए संस्कारों की छाप। -शुद्ध, स्पष्ट कविता पाठ करने की योग्यता का विकास। -छात्राओं का रचनात्मक कार्य में प्रवृत होने पर उनका मानसिक विकास होगा।	-वाचन, पठन व श्रवण कौशल का विकास। -रचनात्मक कार्यों के लिए सभी छात्राओं से विवाह का निमंत्रण-पत्र तैयार कराया जाएगा। -नैतिक शास्त्र

11. मानवीय करूणा की दिव्य चमक	छात्राओं की पूर्वज्ञान परीक्षा लेने के लिए उनसे करूणा के बारे में पूछेंगे उनसे उत्तर पाकर **अध्यापिका** अपने उद्देश्य की घोषणा करेगी की और पाठ का अध्ययन करवाया जाएगा। लेखक की भाषा शैली, उनके अन्तर्निहित भावों का स्पष्टीकरण किया जाएगा। छात्राओं को फादर कामिल बुल्के के व्यक्तित्व के बारे में विस्तार में बताया जाएगा। उन्हें बताया जाएगा कि उन्होंने अपने शहर को छोड़कर भारत को अपनी कर्मभूमि बनाया। उन्होंने अपने संपूर्ण जीवन मानव-सेवा की। वे एक सन्यासी थे परन्तु पारंपरिक अर्थ में नहीं। छात्राओं की पाठ से संबंधी मौखिक व लिखित परीक्षा ली जाएगीं।	-छात्राओं में मानव मात्र के प्रति प्रेम जागृत होगा। -छात्राओं में देश- भक्ति की भावना उत्पन्न होगी। -फादर कामिल बुल्के के प्रति आदर की भावना का विकास। -छात्राओं में अभिव्यक्ति कौशल एवं रचनात्मक लेखन को बढ़ावा दिया जाएगा।	-वाचन, पठन व श्रवण कौशल का विकास। -छात्राओं से 'हमारा प्यारा भारत देश' विषय पर एक अनुच्छेद लिखवाया जाएगा। -नैतिक शास्त्र
12. एक कहानी यह भी	छात्राओं से पाठ के शुद्ध एवं स्पष्ट वाचन के साथ-साथ प्रत्येक गद्यांश का स्पष्टीकरण भी किया जाएगा। प्रश्नोत्तर द्वारा विश्लेषण किया जाएगा। छात्राओं को मन्नू भंडारी के व्यक्तित्व के बारे में बताया जाएगा कि वे छोटे शहर की होते हुए भी उसने आजादी की लड़ाई में जिस तरह भागीदारी की उसमें उसका उत्साह, ओज, संगठन-क्षमता और विरोध करने का तरीका देखते ही बनता है। सहायक सामग्री में स्मार्ट बोर्ड का उपयोग किया जाएगा। छात्राओं का विषय से संबंधी काठिन्य निवारण किया जाएगा।	-छात्राओं में देश प्रेम की भावना उत्पन्न होगी। -छात्राएँ स्वतंत्रता प्राप्ति में महिलाओं के योगदान के ज्ञान से अवगत होंगी। -छात्राएँ मन्नू भंडारी के प्रभावशाली विचारों से प्रभावित होंगी।	-वाचन, पठन व श्रवण कौशल का विकास। -सभी छात्राओं से स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाओं की भागीदारी पर एक प्रोजेक्ट तैयार करवाया जाएगा। -इतिहास

पाठ का नाम	**अभिनव शिक्षण शास्त्र एवं संक्रमण रणनीतियाँ**	**अध्ययन के परिणाम**	**मुख्य कौशल/कला एकीकरण/अंतर्विषयक**
13. साना-साना हाथ जोड़ि	छात्राओं से पाठ का शुद्ध एवं स्पष्ट वाचन के साथ-साथ पाठ में आए मुहावरे, कठिन शब्द, समासयुक्त आदि का स्पष्टीकरण किया जाएगा। विषयवस्तु में समाहित कठिन अंश का प्रश्नोत्तर द्वारा विश्लेषण किया जाएगा। छात्राओं को सिक्किम की प्रकृति, वहां की भौगोलिक स्थिति और उनके जन-जीवन के बारे में विस्तार से बताया जाएगा। साथ ही छात्राओं को हिमालय की सुंदरता के साथ-साथ वहां के निवासियों की मेहनत, गरीबी एवं उनके अभावों को भी बताया जाएगा। छात्राओं की पाठ से संबंधी मौखिक व लिखित परीक्षा ली जाएगीं।	-छात्राएं हिमालय के प्राकृतिक सौंदर्य से मंत्रमुग्ध होंगी। -सिक्किम की भौगोलिक स्थिति से अवगत। -छात्राओं की सामान्य जानकारी में वृद्धि। -रचनात्मक कार्य हेतु छात्राओं की मानसिक शक्ति का विकास। -सृजनात्मक एवं तार्किक क्षमता का विकास।	-वाचन, पठन व श्रवण कौशल का विकास। -सभी छात्राओं से विभिन्न राज्य की जानकारी एकत्र करने को कहा जाएगा। -पर्यावरण अध्ययन

हिंदी व्याकरण	**अभिनव शिक्षण शास्त्र एवं संक्रमण रणनीतियाँ**	**अध्ययन के परिणाम**	**मुख्य कौशल/कला एकीकरण/अंतर्विषयक**
पद-परिचय -रस	सभी विषयों का स्पष्टीकरण करना। दैनिक वस्तुओं का उदाहरण देकर विषय का पुष्टिकरण करना। सभी छात्राओं को बोलने के लिए प्रेरित किया जायेगा। श्यामपट्ट पर प्रस्तुत विषय संबंधी नियमों को समझाया जाएगा। सहायक सामग्री में स्मार्ट बोर्ड का उपयोग किया जाएगा। छात्राओं का विषय से संबंधी काठिन्य निवारण किया जाएगा।	-छात्राएँ भाषा के शुद्ध रूप को समझने, लिखने, बोलने एवं पढ़ने के लिए प्रेरित होगी। -व्याकरण-नियमों की जानकारी होना।	-वाचन, पठन व श्रवण कौशल का विकास। -कक्षा में छात्राओं से सामान्य बातचीत करते हुए उन वाक्यों में से विभिन्न शब्दों का पद-परिचय पूछा जायेगा। -सामान्य ज्ञान

हिंदी व्याकरण (लेखन)	अभिनव शिक्षण शास्त्र एवं संक्रमण रणनीतियाँ	अध्ययन के परिणाम	मुख्य कौशल/कला एकीकरण/अंतर्विषयक
-अनुच्छेद -संदेश	छात्राओं को लेखन कला में दक्ष बनाना। इसके लिए सरल व स्पष्ट भाषा का प्रयोग छात्राओं द्वारा करवाना। शब्द सीमा का भी ध्यान रखवाया। विषय के प्रस्तुतीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया। भाषागत शुद्धता के प्रति भी ध्यान आकर्षित करवाना। अनुच्छेद के लिए कक्षा में विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करवाई जाएँगी। प्रत्येक विषय पर छात्राओं को अपना स्वतंत्र मत व्यक्त करने की छूट देकर उसमे से आवश्यक तथ्यों को संकेत बिंदुओं के रूप में लिखवाए जाएगें। स्मार्ट बोर्ड का प्रयोग किया जाएगा।	-स्वतंत्र अभिव्यक्ति का विकास। -सृजनात्मकता एवं तार्किकता का विकास। -अपने भावों को सोदाहरण समझाने की प्रवृति का विकास। -हिंदी भाषा के प्रति रूचि।	-वाचन, पठन व लेखन कौशल का विकास। -मौखिक विचार विमर्श के बाद छात्राओं से संकेत बिंदुओं को विस्तार देने के लिए अनुच्छेद लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। -अंग्रेजी व्याकरण